

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 09 जनवरी, 2024

### मंगल ग्रह की प्लाज़्मा तरंगें

भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान के वैज्ञानिकों ने [नासा के MAVEN अंतरिक्ष यान](#) के डेटा का उपयोग करके मंगल के ऊपरी वायुमंडल में उच्च आवृत्ति [प्लाज़्मा तरंगों](#) का अध्ययन किया।

- शोधकर्ताओं ने मंगल के चुंबकीय क्षेत्र (वातावरण) में दो प्रकार की तरंगों की खोज की, एक इलेक्ट्रॉन प्लाज़्मा आवृत्ति के नीचे और एक ऊपर। ये तरंगें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये हमें यह समझने में मदद करती हैं कि मंगल के आसपास इलेक्ट्रॉन कैसे व्यवहार करते हैं।
- नासा के मार्स एटमॉस्फियर एंड वोलेटाइल इवोल्यूशन (Mars Atmosphere and Volatile Evolution- MAVEN) को ग्रह की वायुमंडलीय स्थितियों की जानकारी हासिल करने के मशिन के साथ नवंबर 2013 में लॉन्च किया गया था।
- प्लाज़्मा तरंगें **वदियुत और चुंबकीय क्षेत्रों में दोलन या वचिलन** हैं जो प्लाज़्मा के माध्यम से फैलती हैं, जो पदार्थ की एक अवस्था है जो आयनों तथा इलेक्ट्रॉनों जैसे आवेशित कणों से बनी होती है।
  - ये तरंगें विभिन्न प्लाज़्मा घटनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो ऊर्जा हस्तांतरण, कण त्वरण और अंतरिक्ष में पाए जाने वाले प्लाज़्मा के भीतर आवेशित कणों के व्यवहार को प्रभावित करती हैं।

और पढ़ें: [नासा का MAVEN अंतरिक्ष यान](#)

### BIS: मानक निर्धारण के 77 वर्ष

हाल ही में भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन एक निकाय, [भारतीय मानक ब्यूरो \(Bureau of Indian Standards- BIS\)](#) ने 6 जनवरी 2024 को अपना 77वाँ स्थापना दिवस मनाया।

- BIS भारत का **राष्ट्रीय मानक निकाय** है जिसे वस्तुओं के मानकीकरण, मुहरांकन तथा गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के सुमेलित विकास के लिये [BIS अधिनियम, 2016](#) के तहत स्थापित किया गया है। BIS का **मुख्यालय नई दिल्ली** में स्थित है।
  - यह **उत्पाद प्रमाणन (ISI मार्क)**, सोने तथा चाँदी के आभूषणों की **हॉलमार्कगि**, **ECO मार्क योजना** (पर्यावरण अनुकूल उत्पादों की लेबलिंग के लिये) जैसी विभिन्न योजनाएँ संचालित करता है।
- BIS अधिनियम, 2016 अक्टूबर 2017 से क्रियान्वित किया गया। इस अधिनियम की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
  - सरकार को मानक के अनुरूप प्रामाणित करने तथा क्रियान्वित करने के लिये BIS के अतिरिक्त **किसी भी अभिकरण को अधिकृत करने में सक्षम बनाता है।**
  - यह अधिनियम **उपभोक्ता संरक्षण उपाय** प्रदान करता है जिनमें गैर-अनुरूप मानक चिह्नित उत्पादों को वापस लेना, उपभोक्ता को प्रतपूर्ति देना और अधिक कठोर दंडात्मक प्रावधान शामिल हैं।

और पढ़ें... [भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016](#)

### राष्ट्रीय पक्षी दिवस

राष्ट्रीय पक्षी दिवस, जो **अमेरिकी मूल का है**, पारस्थितिकी तंत्र में पक्षियों के मूल्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रत्येक साल **5 जनवरी** को मनाया जाता है।

- इस दिन का उद्देश्य **नवांस स्थान के वनाश, भोजन के विकल्पों में कमी** और [जलवायु परिवर्तन](#) से प्रभावित **पक्षी प्रजातियों** के संरक्षण के लिये जागरूकता बढ़ाना भी है।
- भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन (Minister for Environment, Forest and Climate Change - MoEFCC) मंत्री **नरेश में पक्षियों की आबादी को संरक्षित करने के लिये आर्द्रभूमि** को बचाने का आह्वान किया।
  - आर्द्रभूमियाँ भारत में पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का नवांस स्थल बन जाती हैं और स्थानीय पक्षी आबादी को पोषण उपलब्ध कराने के लिये महत्वपूर्ण पारस्थितिकी तंत्र को बनाए रखते हैं।
- राष्ट्रीय पक्षी दिवस अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राष्ट्रीय पक्षी दिवस, [वशिव प्रवासी राष्ट्रीय पक्षी दिवस \(13 मई\)](#) और कई अन्य राष्ट्रीय पक्षी

दविस जैसे अवसरों से अलग है ।

## वश्व टाइपगि दविस

8 जनवरी को वश्व टाइपगि दविस के रूप में मनाया जाता है ताकालोगों को लखिति संचार के माध्यम सेस्वयं को अभवियक्त करने के लयि प्रोत्साहति कयि जा सके ।

- यह वर्ष 2011 में मलेशयिा में शुरू हुआ । यह वर्ष 2011 मलेशयिाई स्पीड टाइपगि प्रतयिोगतिा की याद दलिाता है, जसिने सबसे तेज टाइपसि्ट और सबसे बड़ी भागीदारी के रकिर्कड तोड़ दयि ।
- यह दनि महत्त्वपूर्ण है क्योकयिह टाइप करने और एक-दूसरे के साथ बातचीत करने की क्षमता वकिसति करने के लयि आयोजति कयि जाता है ।

## प्रवासी भारतीय दविस

प्रवासी भारतीय दविस (PBD) भारतीय प्रवासयिों और देश के वकिस में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान का सम्मान करने के लयि वर्ष 2003 से प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी को मनाया जाता है ।

- इस अवसर को मनाने के लयि 9 जनवरी का दनि इसलयि चुना गया क्योकयिवर्ष 1915 में इसी दनि महान प्रवासी भारतीय महात्मा गांधी दक्षणि अफरीका से भारत लौटे थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व कयि था ।
- वर्ष 2015 से प्रत्येक दो वर्ष में एक बार PBD मनाने और बीच की अवधिके दौरान थीम-आधारति PBD सम्मेलन आयोजति करने के लयि इसके प्रारूप को संशोधति कयि गया था ।

और पढ़ें: [प्रवासी भारतीय दविस](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-09-january,-2024>

